प्रभात खबर रांची

डिग्री पाकर हर चेहरा खिल उठा

आइआइएम रांची के 10वें दीक्षा समारोह में अर्जुन मुंडा ने कहा

यह डिग्री नहीं, जिम्मेदारी है

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

मैनेजमेंट डिग्री को सिर्फ डिग्री न समझें. यह एक जिम्मेदारी है, जिसमें युवा नवीन विचारों से न सिर्फ किसी कंपनी को बल्कि समाज को नयी दिशा दे सकते हैं. प्रबंधन के विद्यार्थी स्टार्टअप और इंटरप्रेन्योरशिप के जरिये समाज को नौकरी का अवसर उपलब्ध करायें. ये बातें केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहीं. वह गुरुवार को आइआइएम रांची में आयोजित 10वें दीक्षा समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे. उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि प्रत्येक डिग्री इंसान को पहले से और ज्यादा जिम्मेदार और दूसरों की आशा को पूरा करने के लिए दी जाती है. इस जिम्मेदारीपूर्ण काम में चुनौतियां भी होंगी, पर इन्हें समझदारी और बुद्धिमता से काम कर खुद को स्थापित करने की जरूरत है. सरकार लगातार युवाओं को प्रेरित करने के लिए स्टार्टअप में सहयोग कर रही है, ताकि समाज में नौकरी पेशा से जुड़े नये अवसर तैयार हो सकें.

खुद को हमेशा तैयार रखें

अर्जुन मुंडा ने विद्यार्थियों को कोरोना काल से सीख लेने की बात कही. उन्होंने कहा कि विषम परिस्थिति कभी भी आ सकती है. इसके लिए हमेशा खुद को तैयार रखें. डिग्री हासिल करने वाले विद्यार्थी आत्मनिर्भर भारत योजना को ठीक से समझें, तो रोजगार के विकल्प की कमी नहीं होगी. इसके लिए घरेलू उत्पादों को बढ़ावा देने वाले व्यवसाय और उनके प्रबंधन पर काम करने की जरूरत है. श्री मुंडा ने आइआइएम रांची को राज्य में शैक्षणिक परिवेश तैयार करने के लिए धन्यवाद दिया. साथ ही नयी शिक्षा नीति से युवाओं के बीच लगातार रचनात्मक सोच और नवाचार के लिए प्रेरित करने की बात कही.

सत्र 2019-21 के 305 विद्यार्थियों को दी गयी डिग्री

10वें दीक्षा समारोह में संस्था के 305 अभ्यर्थियों को डिग्री दी गयी. इसमें एमबीए के 203, एमबीए-एचआर के 72, एग्जीक्यूटिव एमबीए कोर्स के 24 अभ्यर्थी शामिल थे. साथ ही पीएचडी इन फिलॉसफी पूरा करने वाले छह शोधार्थियों को डॉक्टरेट की उपाधि दी गयी. सभी संकाय के टॉप श्री विद्यार्थियों को मेरिट सर्टिफिकेट और मेडल दिया गया. टॉपर को बोर्ड ऑफ गवर्नेंस चेयरमैन मेडल, द्वितीय स्थान हासिल करने वाले छात्र को डायरेक्टर मेडल और तृतीय स्थान हासिल करने वाले छात्र को प्रोग्राम चेयरपर्सन मेडल दिया गया. इसके अलावा वार्षिक सीजीपीए के आधार पर चौथा व पांचवां रैंक हासिल करने वाले विद्यार्थियों को बुक प्राइज से सम्मानित किया गया. वहीं, कोरोना काल में सत्र 2018-20 के लिए ऑनलाइन आयोजित हुए नौवें दीक्षा समारोह के टॉपर विद्यार्थियों को भी डिग्री व मेडल दिया गया.

आइआइएम रांची में आयोजित दीक्षा समारोह में विद्यार्थियों के साथ ग्रुप फोटो में केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, डायरेक्टर शैलेंद्र सिंह और अन्य शिक्षक.

ये हैं टॉपर

सत्र 2019-21 एमबीए : वंश गुप्ता, ब्विक गुहा सरकार, सिद्धांत मलहोत्रा, पारुशी और हिमांशु वर्मा.

एमबीए-एचआरएम : शिवाक्षी सिंघल, मेहबीन डॉमनीक, तानिया चड्ढा, मेहक और शुभी टयोटिया.

एग्जीक्यूटिव एमबीए : रजनीश कुमार, जय किशन सर्राफ, सचिन देव कुमार, सिद्धार्थ शिवम और अजीत कुमार.

साथ ही अवनीत कुमार साइनी को एमबीए-स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट में सर्वाधिक जीपीए हासिल करने के लिए प्रो आशीष हजेला मेमोरियल अवार्ड से सम्मानित किया गया.

एग्जीक्यूटिव एमबीए के विद्यार्थियों को मिला मेडल

सत्र 2018-20 के एग्जीक्यूटिव एमबीए में शामिल व टॉपर विद्यार्थियों को मेडल व मेरिट सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया. इसमें कौशिक चोपड़ा, आशीष चोपड़ा, अंकुर मंडल, विशाल और अवनीश कुमार शामिल थे. वहीं, एमबीए प्रोग्राम के वंश गुप्ता और जसमीत सिंह बिंद्रा को आइसीएसआइ सिग्नेचर अवार्ड गोल्ड मेडल, एमबीए-स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट में सर्वाधिक जीपीए हासिल करने के लिए आलोक राज को प्रो आशीष हजेला मेमोरियल अवार्ड से सम्मानित किया गया.

जिस संस्थान से जुड़ें उसके प्रति ईमानदार रहें : शैलेंद्र सिंह

आइआइएम रांची के निदेशक प्रो शैलेंद्र सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों को जीवन में सफल होने के लिए नैतिक और मौलिक गुणों को अपनाना होगा. खुद को कृतज्ञ बनायें. जिस संस्थान से जुड़ें, उसके प्रति ईमानदार रहें. हमेशा चुनौतियों के लिए खुद को तैयार रखें. प्रो सिंह ने कहा कि हमेशा यह सोचें कि अभी बहुत कुछ करना है. यह तो सिर्फ शुरुआत है. उन्होंने बताया कि जल्द ही आइआइएम रांची और एम्स देवघर मिलकर हेल्थ मैनेजमेंट की पहल करेंगे. इसके लिए एमओयू कर लिया गया है. वहीं, इंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के साथ जुड़कर शैक्षणिक परिवेश को मजबूत करने का काम किया जा रहा है.

समय की मांग के अनुरूप खुद को तैयार करें : चेयरमैन

दीक्षा समारोह में आइआइएम रांची के चेयरमैन प्रवीण शंकर पांडेया ऑनलाइन जुड़े. उन्होंने कहा कि झारखंड में आइआइएम रांची अपना एक दशक पूरा कर चुका है. शुरुआत में जहां संस्था नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआइआरएफ) में 40वें स्थान पर थी, अब 21वें स्थान पर है. कॉलेज के नये कैंपस का निर्माण अंतिम चरण में है. जल्द ही राज्य के शैक्षणिक परिवेश को मजबूत कर संस्था को रैंकिंग में टॉप-10 में शामिल करना होगा. श्री पांडेया ने कहा कि विद्यार्थियों को समय के साथ कई संस्थान से जुड़ने का अवसर मिलेगा. इस दौरान समय की मांग के अनुरूप खुद को लगातार ढालने और निरंतर नयी चीजें सीखने की जरूरत है.

विद्यार्थियों में दिखा उत्साह

कोरोना काल की वजह से दो वर्ष बाद आइआइएम कैंपस में ऑफलाइन दीक्षा समारोह हुआ. इसमें लगभग सभी विद्यार्थी शामिल हुए. विद्यार्थियों ने ग्रेजुएशन गाउन पहन कर जमकर मस्ती की. शिक्षकों और दोस्तों संग सेल्फी ली. विद्यार्थियों की ग्रुप फोटोग्राफी भी हुई. इस दौरान स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट एंड इंटरप्रेन्योरशिप पर आधारित ई-बुक का लोकार्पण किया गया.

दादाजी का सपना पूरा करने के लिए एमबीए की पढ़ाई की. ग्रेजुएशन के बाद दादा ने एमबीए कर ने के लिए प्रेरित किया. इसके बाद कैट की तैयारी की. अभी आइआइएम कोलकाता से पीएचडी कर रहा हूं.
- बिबेक गुहा सरकार, एमबीए

मैंने फिजिक्स से ग्रेजुएशन करने के बाद एमबीए की पढ़ाई की. आइआइएम में मैनेजमेंट के लिए शैक्षणिक, मानसिक और सामाजिक रूप से तैयार किया गया. अभी जेपी मॉर्गन चेस एंड कंपनी में कार्यरत हूं.
- सिद्धांत मल्होत्रा, एमबीए

आइआइएम रांची का अनुभव हमेशा याद रहेगा. प्रोफेसर व सीनियर्स ने प्रोफेशनल करियर में स्थापित करने में काफी सहयोग किया. प्रोफेशनल करियर में एचआर की भूमिका महत्वपूर्ण है.
- शिवाक्षी सिंघल, एमबीए एचआरएम

आइआइएम में पढ़ाई के दौरान जीवन में प्रबंधन का क्या महत्व है, इसकी सीख मिली. देशभर के दिग्गज मैनेजमेंट गुरु से जानने और सीखने का अवसर मिला. झारखंड की संस्कृति से रूबरू हुई.
-तान्या चड्ढा, एमबीए एचआरएम